भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101
12A Reg No. AAPCM0514R25MB01 / 80G Reg No. AAPCM0514R25MB02 / CSR Reg No. CSR00101842

राष्ट्रमाता बनें
निवेदकः मैं भारत हूँ फाउंडेशन

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
www.mainbharathun.co.in

2nd August 2026

AT Indore

LABH MANDAPAM

Abhay Prashal, 10 Race Course Road,
New Palasia, Indore, Madhya Pradesh, Bharat 452001
From 02:30 PM.

द्वारा आयोजित

भारतीय सांस्कृतिक समागम

भारतम्

भारत का एक राज्य मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी 'इंदौर' में स्थापित 'लाभ मंडपम' अभय प्रशाल १० रेसकोर्स रोड, न्यू पलासिया, इंदौर में २ अगस्त २०२६ रविवार 'मित्रता दिवस' की उपलक्ष पर भव्यतिभव्य 'भारतीय सांस्कृतिक समागम' कार्यक्रम का आयोजन

अहिल्याबाई होलकर
धर्म, न्याय और सेवा की मिसाल

I ♥ INDORE

संरक्षक व मार्गदर्शक
स्वामी गोविंद देव गिरीजी महाराज
कोषाध्यक्ष
श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र

अंतराष्ट्रीय पदाधिकारी

राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन, मुंबई मो. 9322307908	राष्ट्रीय महामंत्री शोभा सादानी, कोलकाता मो. 8910628944	राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. गोविंद माहेश्वरी, कोटा मो. 9414183919	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा, कोलकाता मो. 9830224300
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री रवि जैन, मुंबई मो. 81088435715	राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री वर्षा मूँधड़ा, कोलकाता मो. 9874272916	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजू अग्रवाल, पुणे मो. 8806751782	संगठन मंत्री अनुपमा शर्मा (दाधीच), मुंबई मो. 9702205252
अंतर्राष्ट्रीय संयोजक अरूण मूँधड़ा, हॉस्टन, अमेरिका मो. 01(919)610-7106	अंतर्राष्ट्रीय संयोजक किशोर जैन, लंदन, यूके मो. 044 (770) 3827595	इंदौर कोऑर्डिनेटर टीना झंवर, इंदौर मो. 9301933865	

कार्यक्रम के मार्गदर्शक व सहयोगी
राधेश्याम शर्मा, इंदौर
मो. 9303264032

भारतीय सांस्कृतिक समागम

'भारत सिर्फ एक भूमि नहीं, शौर्य, संस्कृति और समृद्धि की धरोहर है,' इसी गौरव को उजागर करने के लिए 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' (भारत सरकार द्वारा पंजीकृत संस्थान) मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी 'इंदौर' में स्थापित भारतीय संस्थानों के तत्वाधान में भारत का ही एक राज्य मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी 'इंदौर' के प्रतिष्ठित सभागार 'लाभ मंडपम' अभय प्रशाल १० रेसकोर्स रोड, न्यू पलासिया में २ अगस्त २०२६ रविवार को 'भारतीय सांस्कृतिक समागम' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है, यह आयोजन भारत की महान विरासत, परंपरा, व्यापारिक कौशल, लोक संस्कृति और बलिदान की अमरगाथा को समर्पित होगा।

'जिस मिट्टी में वीरों की कहानियां बसती हैं, वहाँ इतिहास खुद को बार-बार दोहराता है'

कार्यक्रम में इंदौर की सभी सांस्कृतिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे और भारतीय अतीत, लोककला, खान-पान और हस्तशिल्प को मंच प्रदान करेंगे, यह आयोजन सिर्फ 'भारत' की महिमा को नहीं, बल्कि उसकी विश्वव्यापी पहचान को भी रेखांकित करेगा।

'एकता और प्रेम के स्तम्भ पर खड़ा है, इसीलिए भारत विश्व में सबसे बड़ा है।'

भारत की प्रमुख सांस्कृतिक भुजाओं का इतिहास इस आयोजन में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ेगा। लोकगीतों की मधुर ध्वनि, विभिन्न भारतीय समाज का इतिहास, नृत्य और पारंपरिक परिधानों के साथ प्रस्तुति और आन-बान-शान का प्रदर्शन होगा, कुछ AI PLATFORM का भी सहयोग लिया जायेगा।

'भारत की धरती पर सपने खिलते हैं, बस हौसला चाहिए'

बतादें कि 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' पिछले १५ वर्षों से 'एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत' के अभियान के तहत २०० से अधिक कार्यक्रम आयोजित कर चुका है, साथ ही 'गौमाता को राष्ट्रमाता' का सम्मान प्राप्त हो, अभियान भी कार्यशील व गतिशील है।

'जहां भारतीयता सोने जैसी चमकती है, वहां संस्कार हीरे जैसे ही होते हैं'

भारत के आदरणीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रालय, विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं सांसदों के साथ कई प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट घरानों ने उक्त प्रयासों की प्रशंसा की है, लगभग २०० भारतीय सांसदों के हस्ताक्षर भी हमारे पास सुरक्षित हैं।

'भारतीय सांस्कृतिक समागम' कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति का सम्मान बढाना और असाधारण धरोहर को वैश्विक मंच पर स्थापित करना व युवाओं को व्यापारिक संस्कृति से जोड़ना है।

'हम भारत की शान हैं, हम भारतीय हैं'

जय मध्य प्रदेश! जय भारत!

कार्यक्रम विवरण

◆ गणेश वंदना
सरस्वती वंदना

◆ विचारों में स्वतंत्रता
भारत गौरव का अभिनंदन

◆ विक्रम
समय की धारा में अडिग
हमारी परम्परा

◆ जहाँ समानता, वहाँ समृद्धि
यही है महाराजा अग्रसेन जी का संदेश

शिव आराधना,
सेवा भाव और संस्कार
माहेश्वरी समाज की शक्ति

◆ अहिंसा और सत्य का मार्ग
जैन धर्म की
उज्ज्वल धरोहर

◆ सृष्टि के रचयिता
भगवान विश्वकर्मा

◆ महर्षि दधीचि
त्याग, तपस्या और
बलिदान की अमर मिसाल

◆ वीरता और स्वर्णिम
विरासत के प्रतीक
श्री अजमेढ़ देव जी
महाराज

◆ महर्षि गौतम
भारत के न्यायशास्त्र प्रणेता
श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण
समाज के आराध्य

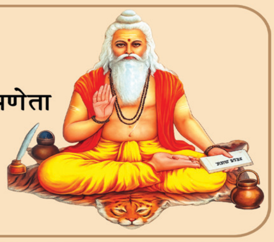

◆ राजस्थान की धड़कन
घूमर की लय

◆ गोमाता बनें
राष्ट्रमाता

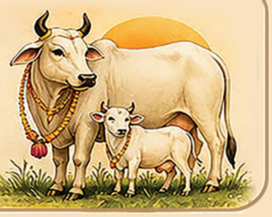

◆ हर कदम
भारत के नाम
हर धड़कन
राष्ट्र के संग

◆ राजस्थानी
लोक-संस्कृति
का अनुपम संगम

नन्हे कदम, रंग अनेक...
हर वेशभूषा में भारत एक।"

२८ जून २०२६

कोलकाता के धनोधान्य ऑडिटोरियम में 'भारतीय सांस्कृतिक समागम-भारतम्' का भव्य आयोजन